● **सुनो, दोहराओ और बताओ :**

९. मोती जैसे दाँत

अथर्व के जन्मदिन का निमंत्रण पाकर बैंगनी परी अपने देश से आई थी । परी ने अथर्व को 'जियो हजारों साल' कहा और उसे परी देश के बैंगनी रंग के खूब सारे चॉकलेट दिए । ''धन्यवाद परी !'' अथर्व ने कहा । परी मुस्कुराकर बोली, ''मैं जानती हूँ, सारे बच्चों की पसंद चॉकलेट है । हमारे यहाँ तो चॉकलेटों की खेती और शीत पेय के झरने हैं ।''

अथर्व ने परी से पूछा, ''बैंगनी परी ! क्या आप मुझे अपने साथ परी देश दिखाने ले चलेंगी ?'' ''अरे ! क्यों नहीं, जरूर ले चलूँगी, '' परी ने कहा । बैंगनी परी अथर्व को लेकर परी देश के लिए उड़ चली । परी देश देखकर अथर्व बहुत खुश हुआ ।

उसने देखा कि परी देश के बच्चे झरने के पास जाकर शीत पेय पीते हैं और खेतों से चॉकलेट तोड़कर खाते हैं । यह देखकर अथर्व खुशी के मारे खिल-खिलाकर हँस पड़ा । वह कुछ बच्चों के पास गया और उनसे हाथ मिलाकर बोला, ''दोस्तो ! मैं अथर्व हूँ । पृथ्वी लोक से बैंगनी परी के साथ आया हूँ ।'' 'स्वागत है मित्र' कहकर वे बच्चे भी हँसे पर वे अथर्व के दूध-से सफेद, मोती-से चमकीले दाँत देखकर हैरान रह गए। अथर्व उन बच्चों के काले-पीले, टूटे-फूटे दाँत देखकर चकित था ।

अचानक उसे डॉक्टर चाचा की बात याद आ गई । उन्होंने कहा था, ''अथर्व बेटा ! शीत पेय मत पीना । चॉकलेट, चुईंगम मत खाना । नहीं तो तुम्हारे दाँत खराब हो जाएँगे ।''

अथर्व बुदबुदाया, 'इसी कारण इस देश के बच्चों के दाँत खराब हैं । यह तो बुरी बात है ।' तभी उसे लगा; कोई उसे झँझोड़कर जगा रहा है । आँखें खोलीं तो देखा, माँ उसे जगा रही थीं और कह रही थीं, ''उठो बेटा अथर्व ! आज विद्‌यालय नहीं जाना है क्या ?'' अथर्व माँ के मोती जैसे चमकते दाँत देख रहा था ।

– ***डॉ. मालती शर्मा***

उत्तर दो :

१. जन्मदिन किसका था ?
२. बैंगनी परी ने अथर्व को क्या दिया ?
३. परी देश के बच्चों के दाँत कैसे थे ?
४. डॉक्टर चाचा ने क्या कहा था ?

❑ विद्‌यार्थियों को कहानी सुनाएँ और क्रमशः दो-दो पंक्तियाँ दोहरवाएँ । प्रश्न पूछें और उनसे उत्तर प्राप्त करें । शीत पेय, चॉकलेट, फास्टफूड आदि खाने से होने वाली हानि पर चर्चा करवाएँ । विद्‌यार्थियों को शरीर के अंगों की स्वच्छता के लिए प्रेरित करें ।